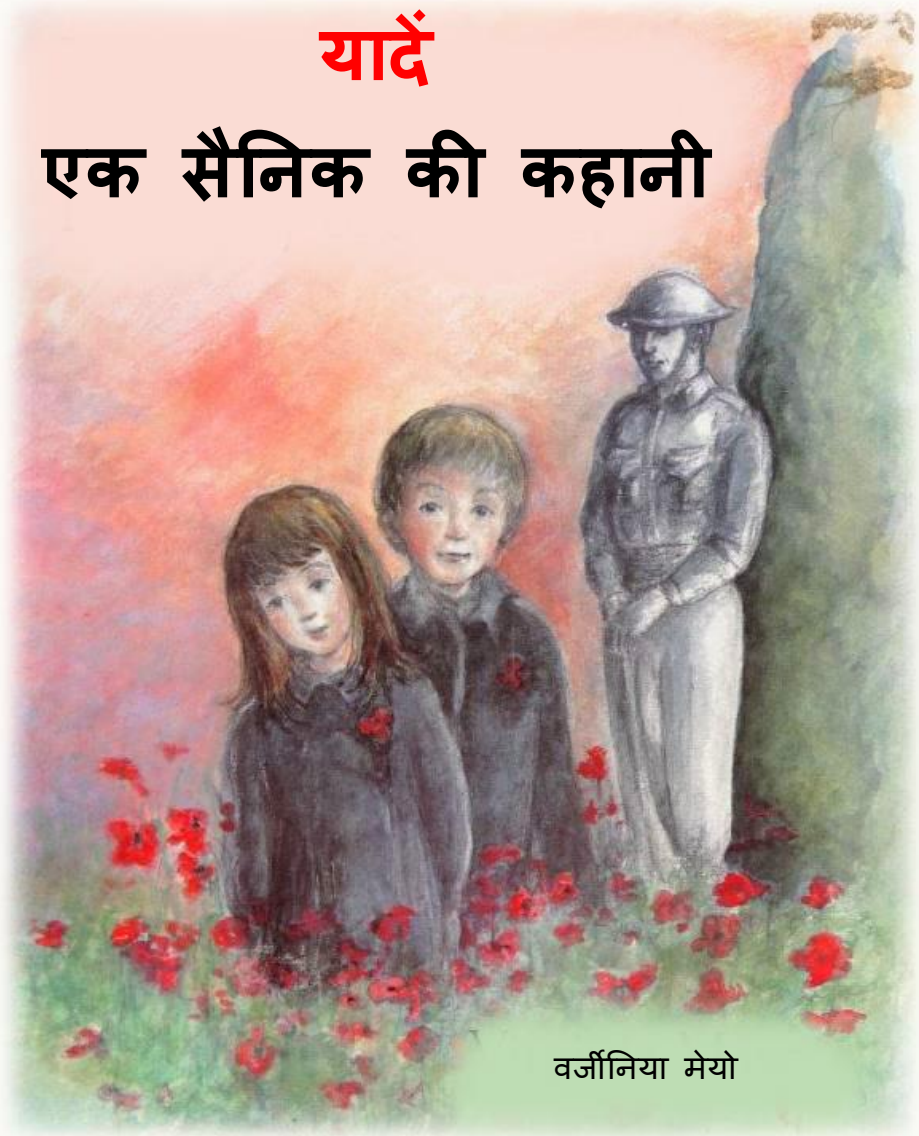


# यादें

## एक सैनिक की कहानी



वर्जीनिया मेयो

# यादें

## एक सैनिक की कहानी



वर्जीनिया मेयो



एक दिन हम दादाजी के साथ टहलने गए.



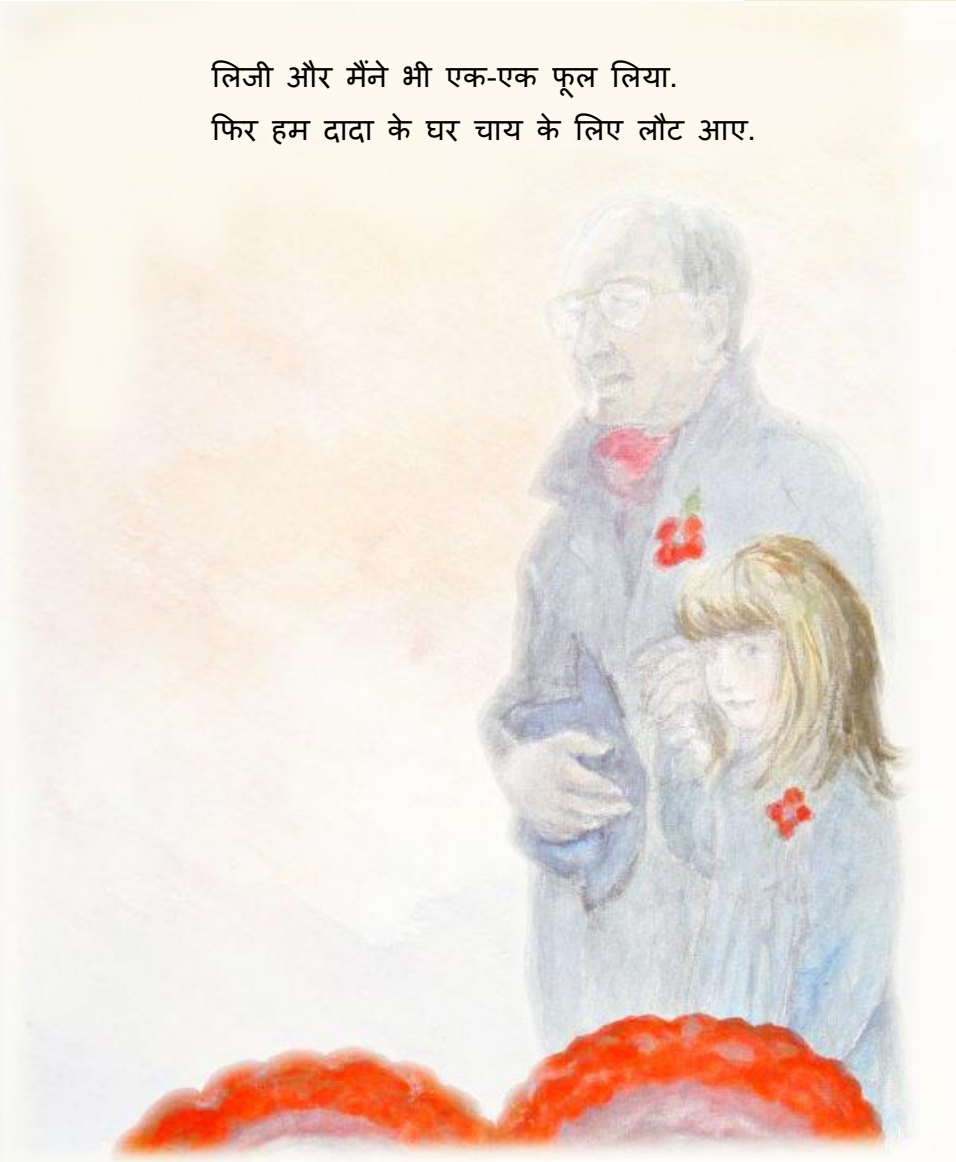
हम एक प्यारे से बगीचे में टहल रहे थे ...



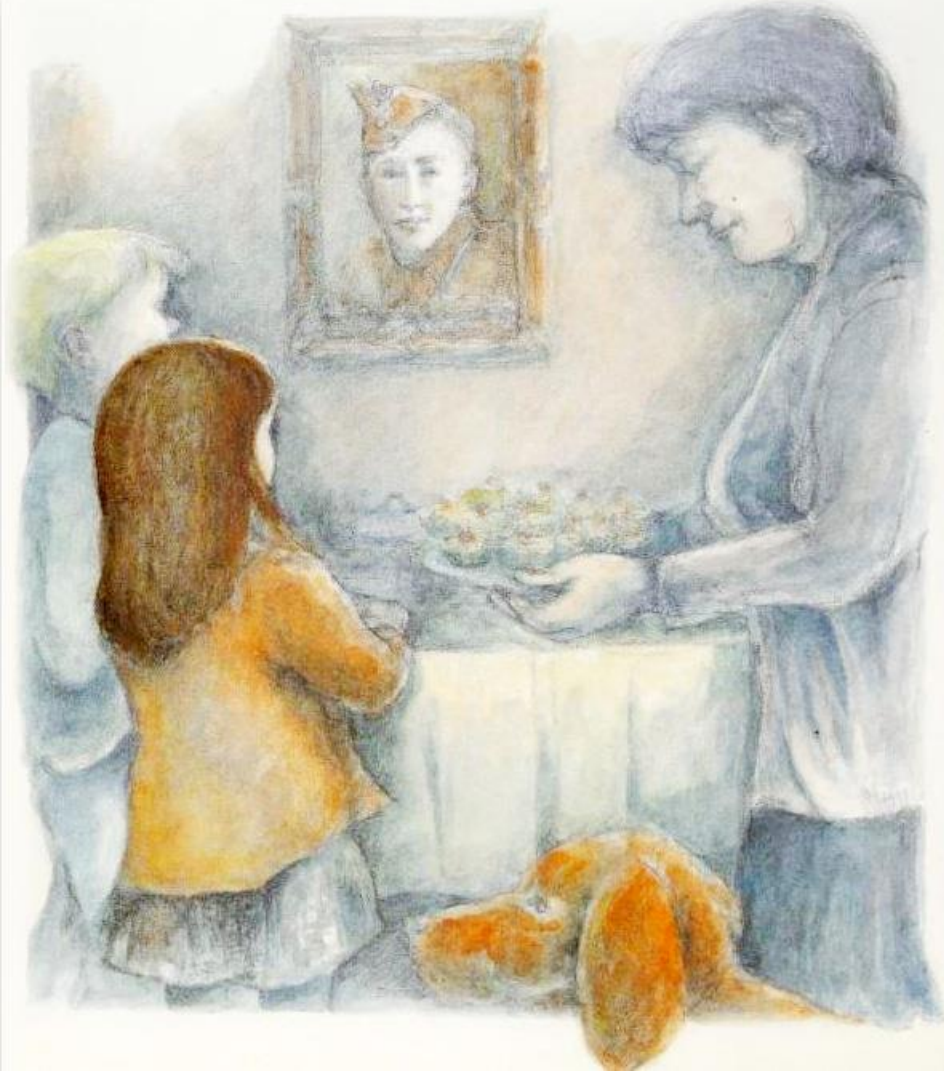
... वहां हमें एक सैनिक की मूर्ति मिली. दादाजी ने कहा कि वो मूर्ति उन सैनिकों की थी जो युद्ध में मारे गए थे. मूर्ति के चारों ओर फूलों की मालाएं थीं.



लिजी और मैंने भी एक-एक फूल लिया.  
फिर हम दादा के घर चाय के लिए लौट आए.



दादाजी के घर की दीवार पर एक सैनिक की तस्वीर थी. दादी ने बताया कि वो हमारे पर-दादा अल्बर्ट की थी, जो युद्ध में मारे गए थे.

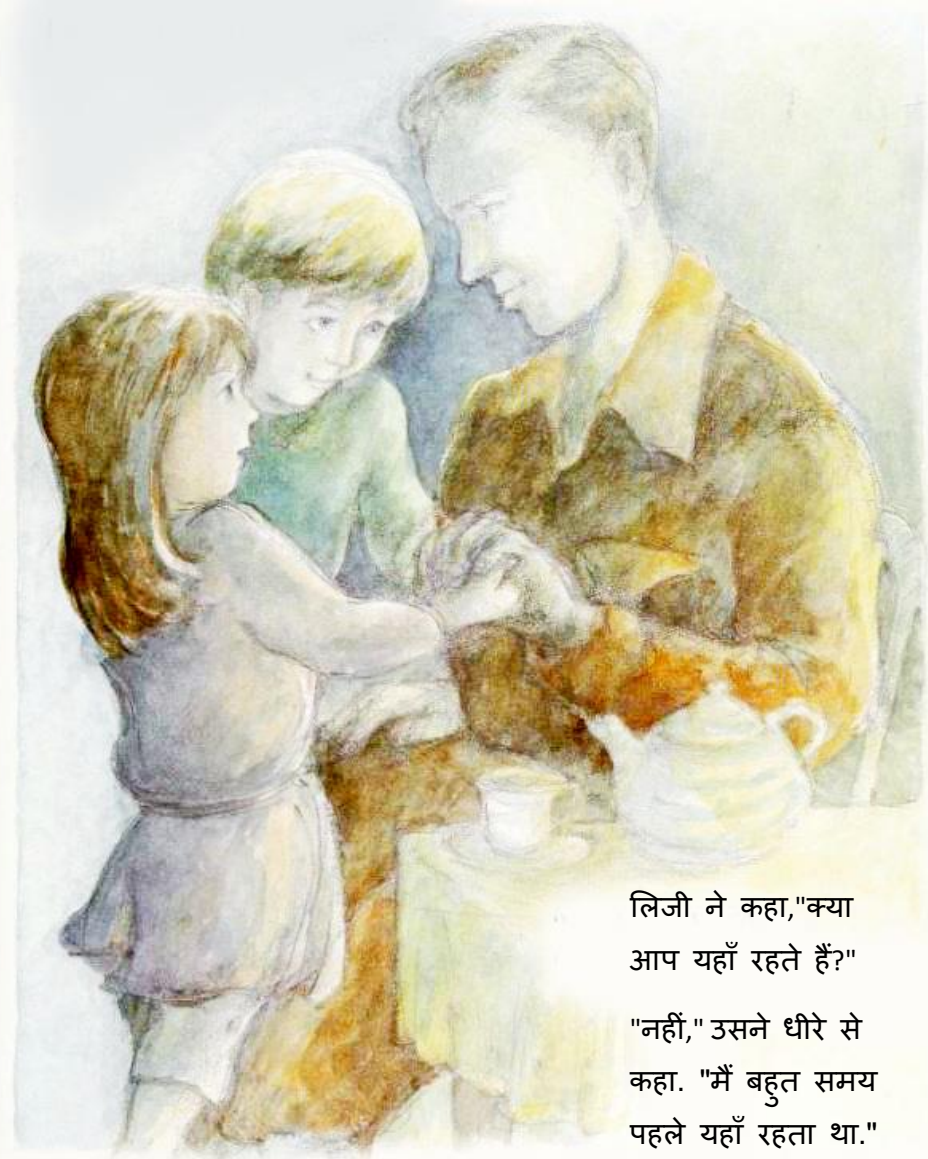


हम सोने गए, लेकिन हमें नींद नहीं आई. हमें कुछ शोर सुनाई दिया. फिर हम आहिस्ता से नीचे आए. पर वहां लिविंग रूम में कोई था. हमने ध्यान से कमरे का दरवाजा खोला.





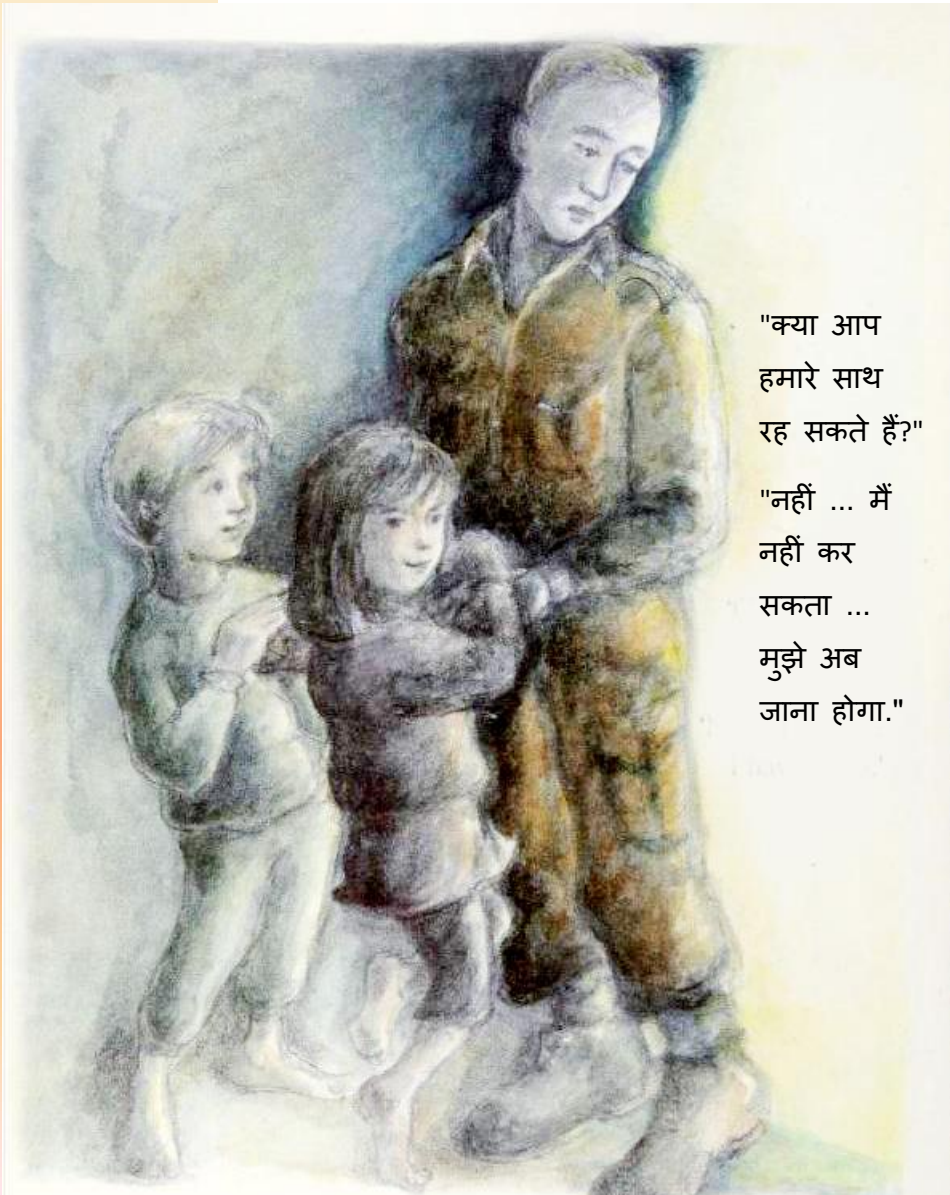
कमरा कुछ अलग दिख रहा था. एक आदमी टेबल के पास बैठा था. वो किसी ऐसे व्यक्ति की तरह लग रहा था जिसे हम जानते हों.



लिजी ने कहा, "क्या आप यहाँ रहते हैं?"

"नहीं," उसने धीरे से कहा. "मैं बहुत समय पहले यहाँ रहता था."

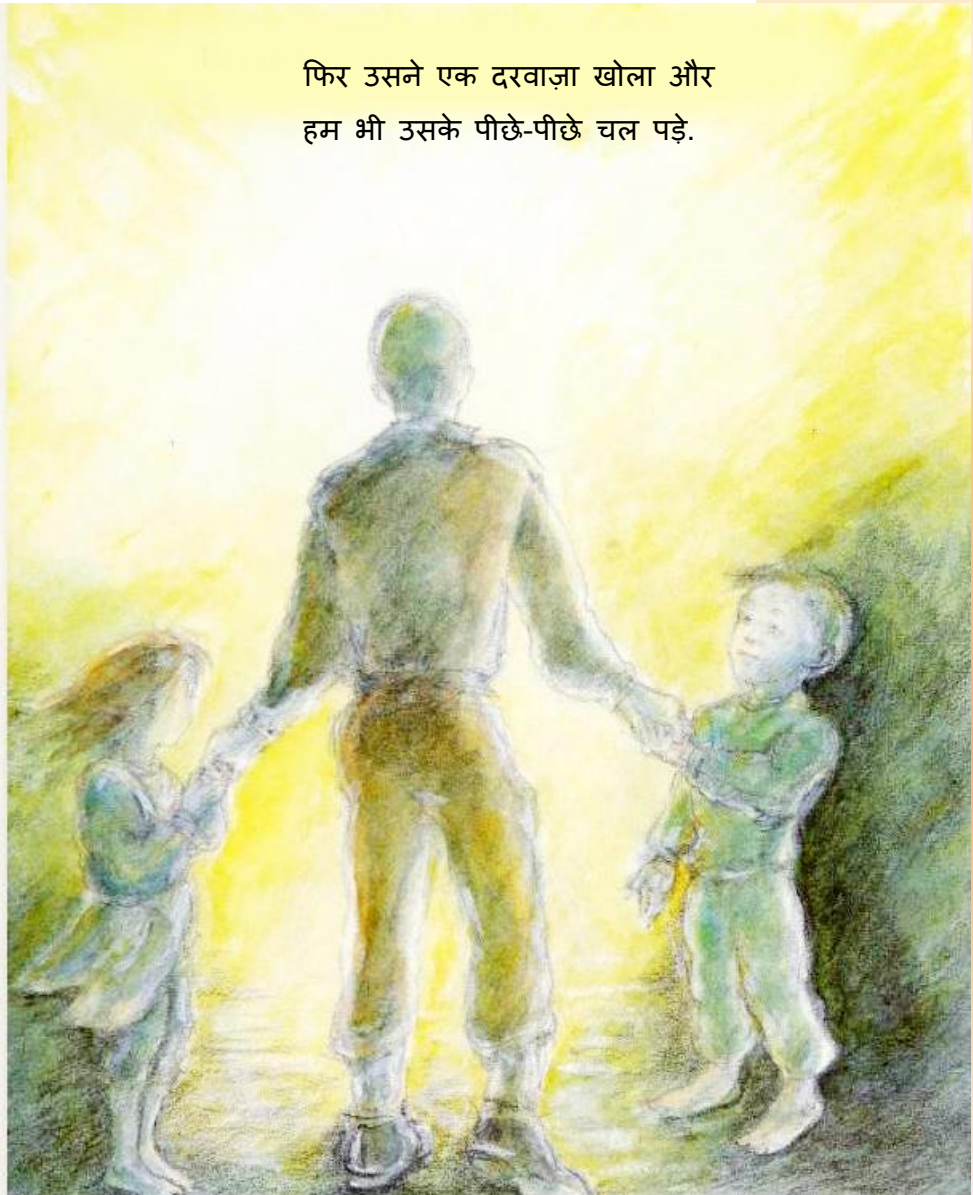




"क्या आप  
हमारे साथ  
रह सकते हैं?"

"नहीं ... मैं  
नहीं कर  
सकता ...  
मुझे अब  
जाना होगा."

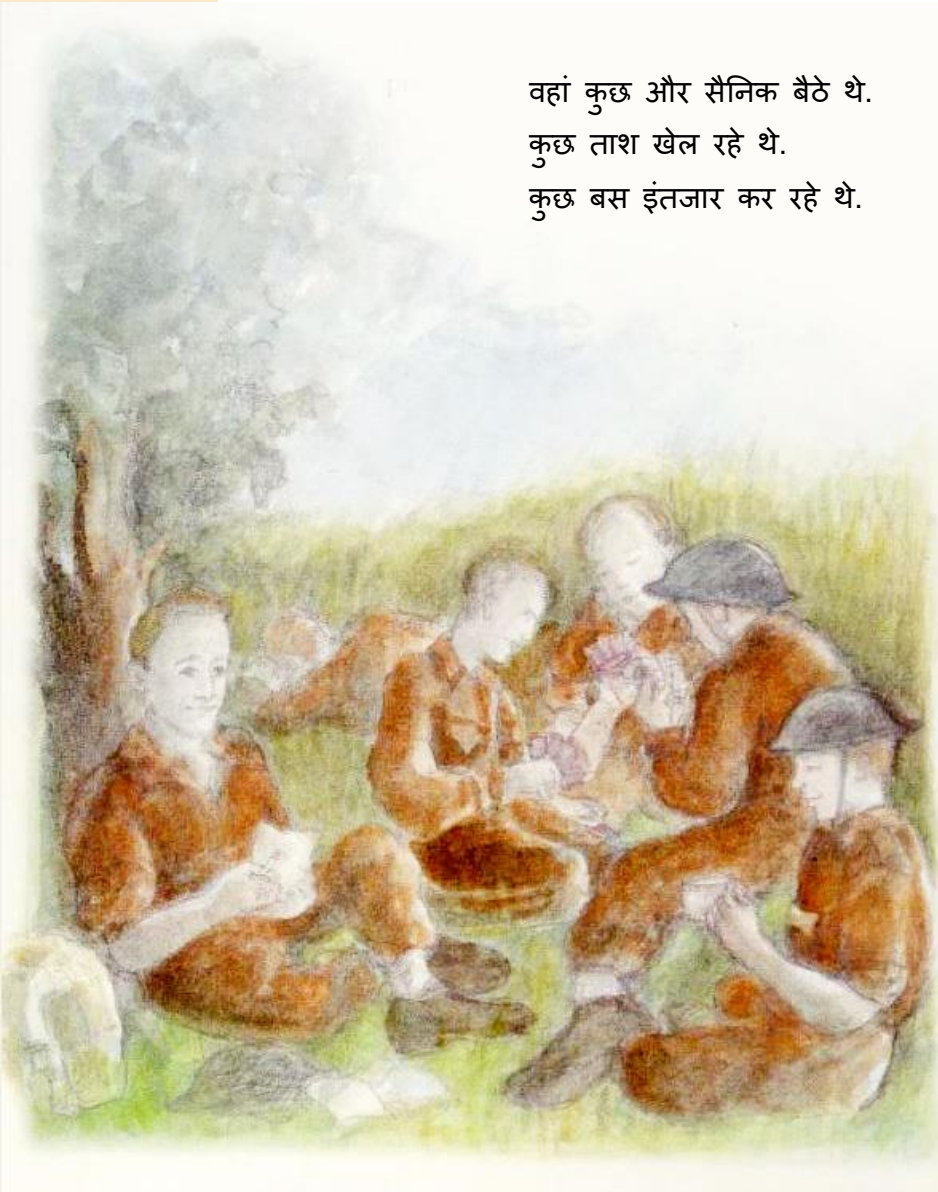
फिर उसने एक दरवाज़ा खोला और  
हम भी उसके पीछे-पीछे चल पड़े.



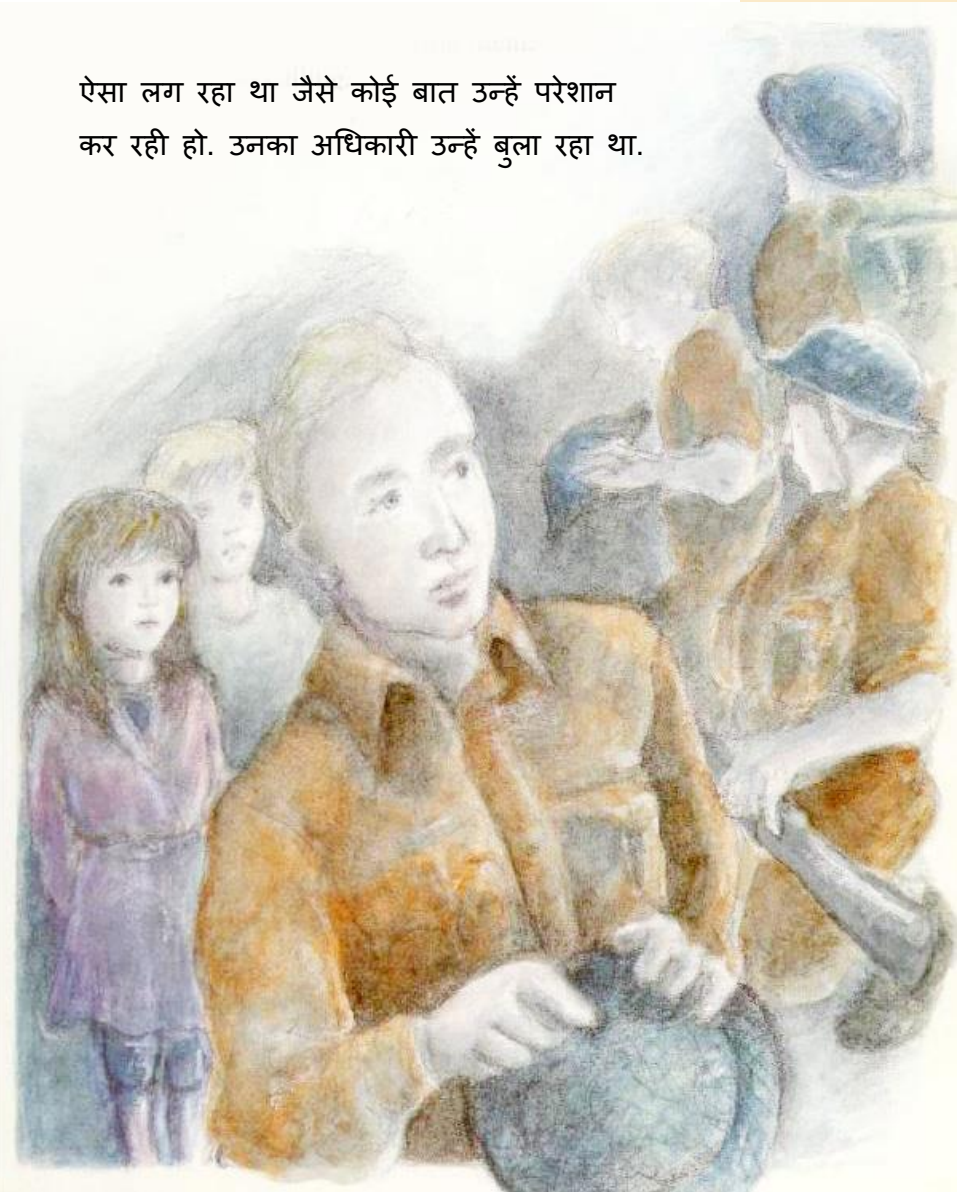
बाहर हम एक घास के मैदान में गए.

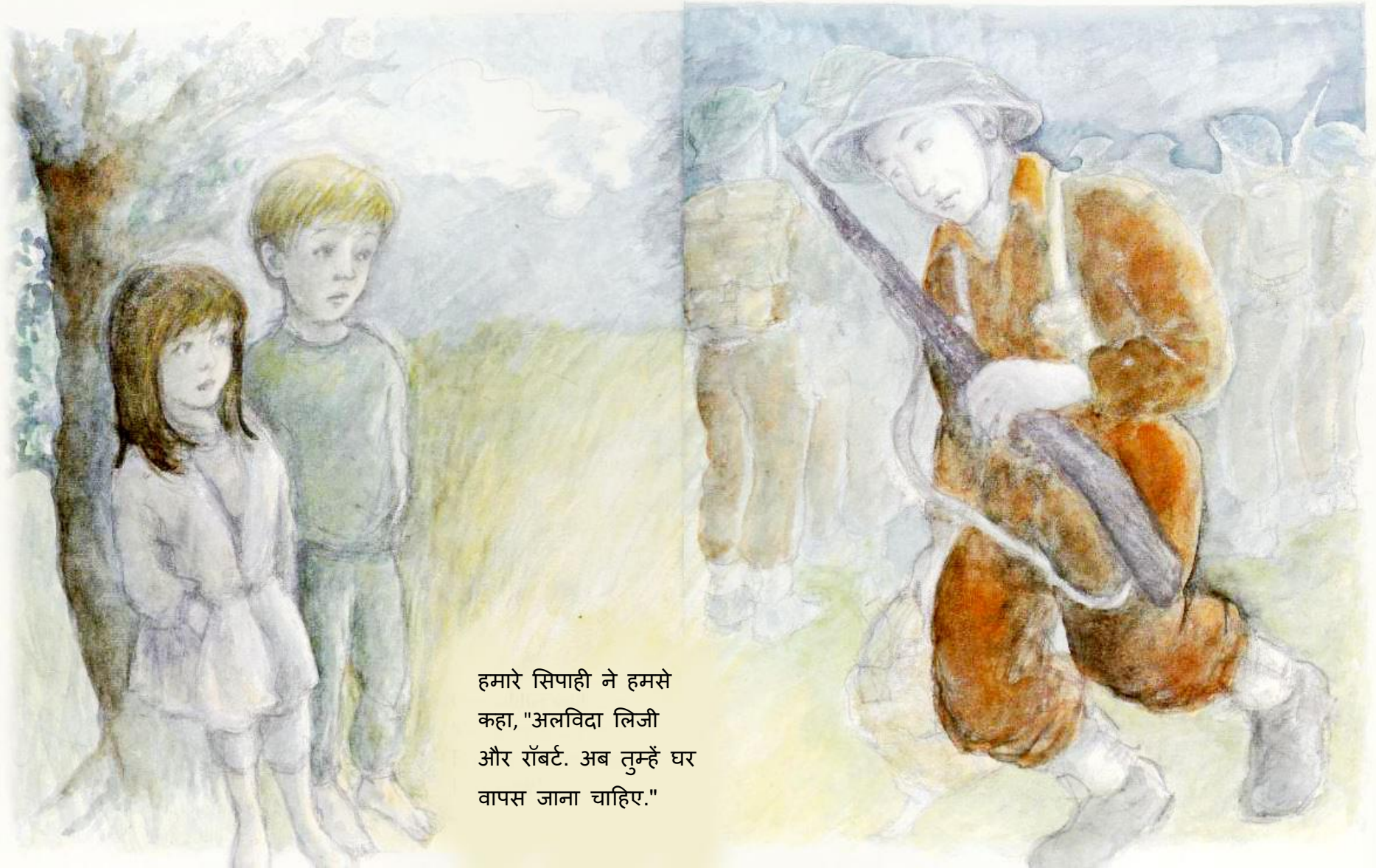


वहां कुछ और सैनिक बैठे थे.  
कुछ ताश खेल रहे थे.  
कुछ बस इंतजार कर रहे थे.

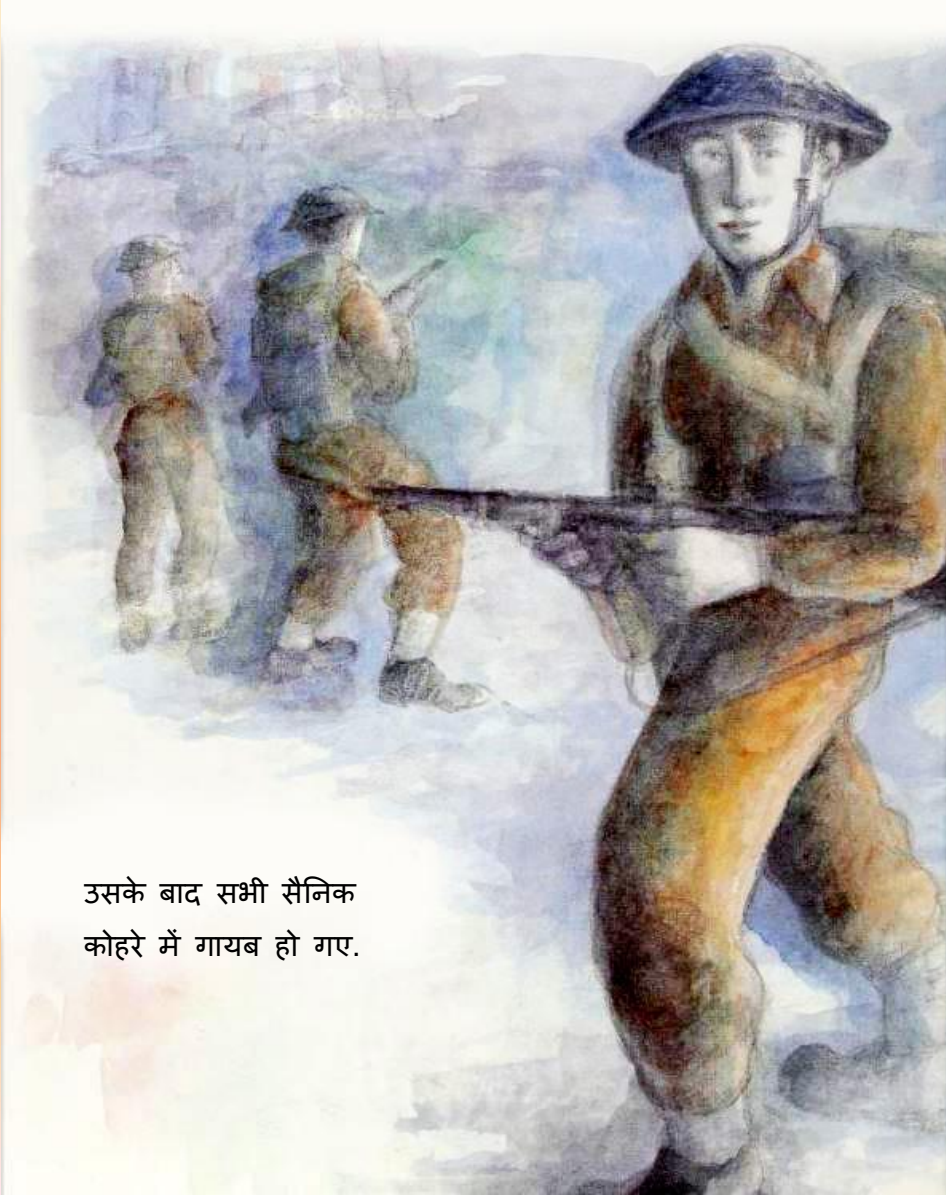


ऐसा लग रहा था जैसे कोई बात उन्हें परेशान  
कर रही हो. उनका अधिकारी उन्हें बुला रहा था.





हमारे सिपाही ने हमसे  
कहा, "अलविदा लिजी  
और रॉबर्ट. अब तुम्हें घर  
वापस जाना चाहिए."

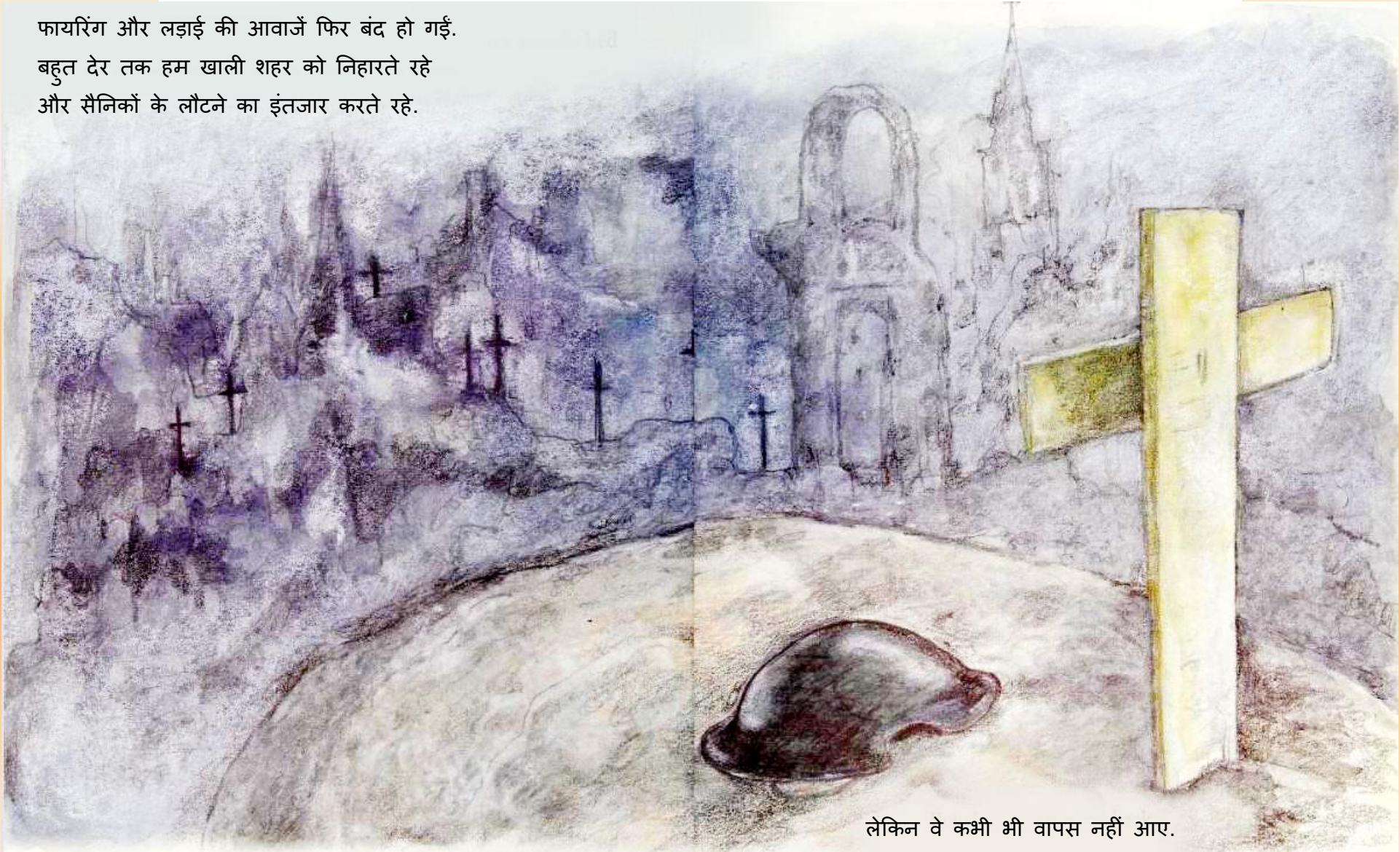


उसके बाद सभी सैनिक  
कोहरे में गायब हो गए.





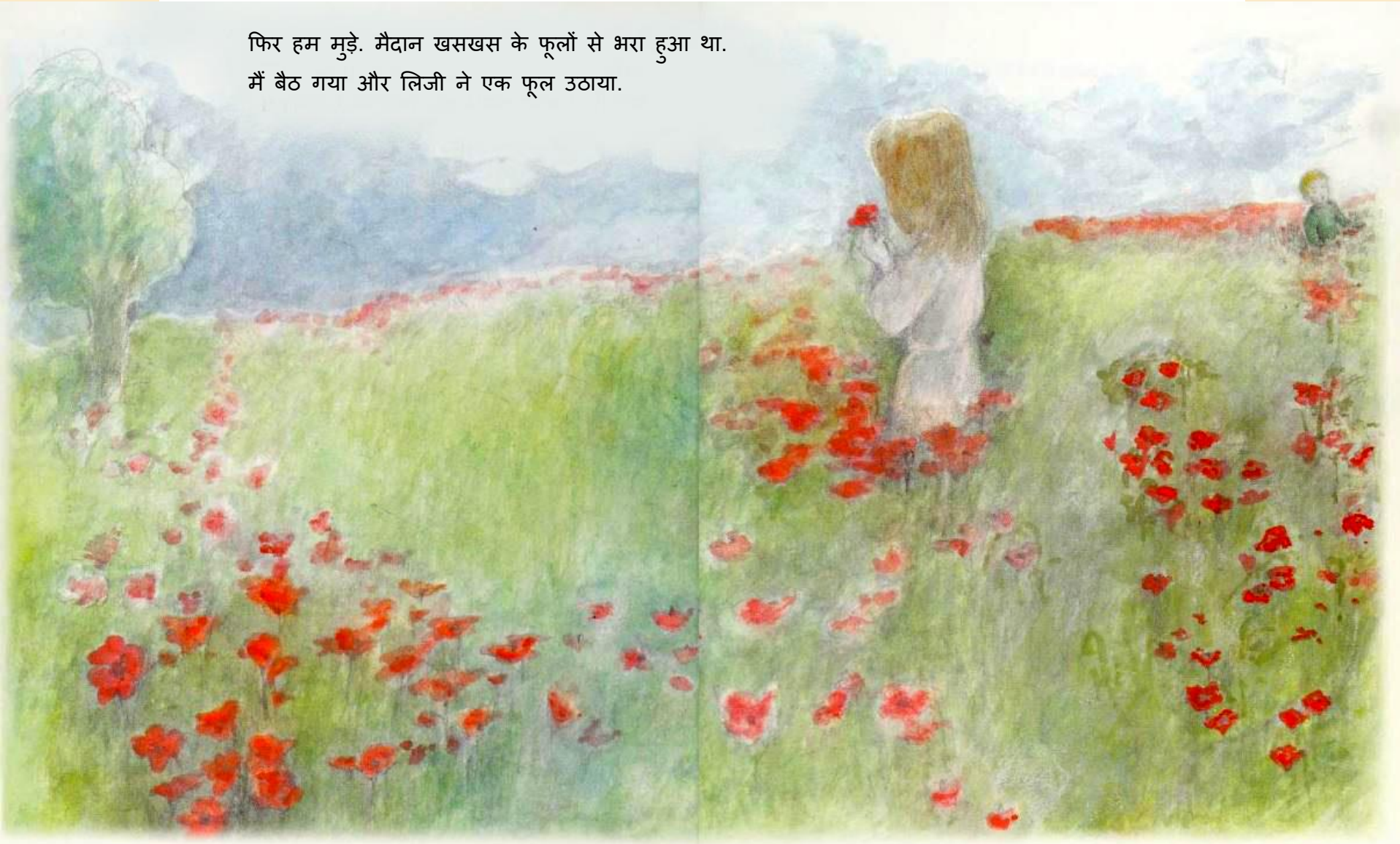
फायरिंग और लड़ाई की आवाजें फिर बंद हो गईं.  
बहुत देर तक हम खाली शहर को निहारते रहे  
और सैनिकों के लौटने का इंतजार करते रहे.



लेकिन वे कभी भी वापस नहीं आए.



फिर हम मुझे मैदान खसखस के फूलों से भरा हुआ था.  
में बैठ गया और लिजी ने एक फूल उठाया.



अचानक हम दादाजी के घर वापस आ गए ...



समाप्त

... और हमने उस खसखस के फूल को  
सिपाही के फ्रेम को अर्पित किया.